राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.पी.ए./बी.ए. प्रथम वर्ष नियमित/स्वाध्यायी पाठ्यक्रम

विषय कोड	क्रेडिट
C1- BMVI -101	3
क्लास रूम टिचिंग साप्ताहिक अवधि/घंटे	टोटल टिचिंग अवधि/घंटे
3	108

(खण्ड.अ) कोर सब्जेक्ट (मुख्य विषय) .1
वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) थ्योरी कोर
(गायन/स्वरवाद्य प्रथम प्रश्न पत्र)
संगीत का विज्ञान (साइंस ऑफ म्यूजिक I)

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन + उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	80	100	33

इकाई–1

1. संगीतोपयोगी ध्वनि की विशेषताएँ–
   तीव्रता, तारता, गुण, कालमान, उक्त सन्दर्भ में कंपन, कम्प विस्तार, आवृत्ति, उपस्वर, का परिचय।
2. संगीत, नाद, श्रुति, स्वर (शुद्ध, विकृत, चल, अचल), बाइस श्रुतियों में वर्तमान सप्तक की स्वर स्थापना, सप्तक (मंद्र, मध्य, तार), अष्टक, पूर्वांग, उत्तरांग, वर्ण, अलंकार, (पल्टा), स्थायी, अन्तरा, संचारी आभोग की परिभाषा।

इकाई–2

1. राग एवं थाट की परिभाषा व उनका तुलनात्मक अध्ययन, दस थाटों के नाम व स्वर,
2. आश्रयराग, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, वर्जित स्वर, आरोह–अवरोह, राग स्वरूप (पकड़), राग की जाति (औडव, षाडव व सम्पूर्ण) का अध्ययन।

इकाई–3

1. ध्रुपद, धमार, ख्याल, तराना, चतुरंग, लक्षणगीत, स्वरमालिका (सरगम) मसीतखानी व रजाखानी गत का परिचय।
2. शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत एवं लोक संगीत का ज्ञान तथा गीत, गजल, होरी का परिचय एवं महत्व।

इकाई–4

1. गायक के परिक्षार्थियों के लिए तानपुरा तथा वाद्य के परिक्षार्थियों के लिए अपने–अपने वाद्य का सामान्य परिचय तथा उनके विभिन्न अवयवों का सचित्र वर्णन। साथ ही उनके तारों को विभिन्न स्वरों में मिलाने की जानकारी।
2. संगीत में शिक्षण की विधि।

इकाई–5

1. गायन और वादक के गुण–दोष, काकू आदि शब्द भेद का (संगीत रत्नाकर के आधार पर) अध्ययन।
2. पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर, पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे, अमीर खुसरो, मानसिंह तोमर, स्वामी हरिदास एवं तानसेन का जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.पी.ए./बी.ए. प्रथम वर्ष नियमित/स्वाध्यायी **पाठ्यक्रम**

विषय कोड	क्रेडिट
C1- BMVI -102	3
क्लास रूम टिचिंग साप्ताहिक अवधि/घंटे	टोटल टिचिंग अवधि/घंटे
3	108

(खण्ड.अ) कोर सब्जेक्ट (मुख्य विषय).1

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) थ्योरी कोर

(गायन/स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्नपत्र)

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन + उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	80	100	33

संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत (एप्लाइड प्रिंसीपल ऑफ इण्डियन म्यूजिक II)

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम के राग, यमन, भैरव, भूपाली, खमाज, काफी, वृन्दावनी, सारंग, दुर्गा, बिलावल या अल्हैया बिलावल का शास्त्रीय परिचय।
2. निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास–

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

पाठ्यक्रम के रागों यमन, भैरव, भूपाली, खमाज, काफी, वृन्दावनीसारंग, दुर्गा, बिलावल या अल्हैया बिलावल में स्वरमालिका और लक्षणगीत i

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

पाठ्यक्रम के रागों में से प्रत्येक में एक मध्यलय अथवा रजाखानी गत अथवा द्रुतलय की रचना (आलाप तथा तानों, तोडों सहित)

इकाई–2

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

1. पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक–एक मध्यलय ख्याल।(आलाप तथा तानों सहित)
2. विभिन्न रागों में एक ध्रुपद, एक धमार (दुगुन सहित) एवं एक तराना।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

पाठ्यक्रम के किसी एक राग में तीन ताल से भिन्न अन्य ताल में रचना का तानों सहित अभ्यास।

इकाई–3

1. लय (विलम्बित, मध्य, द्रुत), ठाह, दुगुन, मात्रा, ताल, विभाग, सम, ताली, खाली, ठेका, आवर्तन की जानकारी।
2. तबले का संक्षिप्त परिचय। तबले की बनावट व उसके विभिन्न अंगों का सचित्र वर्णन।

इकाई–4

1. त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल और धमार, तालों का परिचय ठाह सहित ताल–लिपि में लेखन।
2. मींड, कण, खटका मुर्की, आलाप, तान, बोल (मिजराब/जवा के बोल) प्रहार (आकर्ष/अपकर्ष), सूत, ज़मज़मा, और तोडा का पारिभाषिक परिचय।

इकाई–5

1. पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे स्वरलिपि का ज्ञान।
2. लगभग 400 शब्दों में संगीत संबधी किसी विषय पर निबंध।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.पी.ए./बी.ए. प्रथम वर्ष नियमित/स्वाध्यायी पाठ्यक्रम

विषय कोड	क्रेडिट
C2- BMVI -101	3
क्लास रूम टिचिंग साप्ताहिक अवधि/घंटे	टोटल टिचिंग अवधि/घंटे
6	216

कोर सब्जेक्ट (मुख्य विषय) . 2
टेक्निकल टर्म्स–(प्रायोगिक कोर)
वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिक:- I प्रदर्शन एवं मौखिक
(डेमोन्सट्रेशन एण्ड वायवा वाईस)

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन + उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	80	100	33

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं किन्हीं दो थाटों में दस–दस अलंकारों का अभ्यास। गायन के विद्यार्थियों हेतु पाठ्यक्रम के रागों में स्वरमालिका और लक्षणगीत का गायन।
2. पाठ्यक्रम के राग– यमन, भैरव, भूपाली, खमाज, काफी, वृन्दावनीसारंग, दुर्गा, बिलावल या अल्हैया बिलावल।
   - अ. पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में मध्यलय ख्याल/रज़ाखानी गत/मध्यलय रचना का पाँच तानों सहित प्रदर्शन।
   - ब. पाठ्यक्रम के किसी एक राग में ध्रुपद तथा एक तराने का गायन अथवा किसी एक राग में तीनताल से भिन्न अन्य ताल में रचना का अपने वाद्य पर प्रदर्शन।
3. आकाशवाणी द्वारा मान्य वन्दे मातरम्/भजन/देशभक्ति गीत का स्वरलय में गायन अथवा वादन या किसी धुन को अपने वाद्य पर प्रस्तुत करना।
4. पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर प्रदर्शन–
   त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल एवं धमार तथा त्रिताल की दुगुन का अभ्यास।

सैद्धातिक प्रश्नपत्र **में अंकों का विभाजन निम्नानुसार होगा– (नियमित छात्रों के लिए) (प्राइवेट के लिए)**

खण्ड–अ वस्तुनिष्ठ प्रश्न–प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे।
प्रत्येक प्रश्न नियमित एवं प्राइवेट 2 अंक का होगा। कुल 10 प्रश्न पूछे जाएंगे।
10 x 2=20 10X2=20

खण्ड–ब लघु उत्तरीय प्रश्न–प्रत्येक इकाई से विकल्प के साथ
एक–एक प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न नियमित 4 प्राइवेट 6 अंक का होगा।
5X4 =20 5X6=30

खण्ड–स दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–प्रत्येक इकाई से विकल्प के साथ
एक–एक प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न नियमित 8 प्राइवेट 10 अंक का होगा।

5X8=40 5X10=50

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.पी.ए. प्रथम वर्ष नियमित/स्वाध्यायी **पाठ्यक्रम**

विषय कोड	क्रेडिट
C2- BMVI -102	3
क्लास रूम टिचिंग साप्ताहिक अवधि/घंटे	टोटल टिचिंग अवधि/घंटे
6	216

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन + उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	80	100	33

कोर सब्जेक्ट (मुख्य विषय). 2
टेक्निकल टर्म्स–(प्रायोगिक कोर)
वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिकः- स्टेज परफॉरमेन्स-II
(प्रायोगिकः-2 मंच प्रदर्शन)

कल्चरल एक्टिविटीज जैसे– सरस्वती वंदना, गणेश वंदना, राष्ट्रगान, वंदे मातरम्, छोटा ख्याल, लक्षण गीत, सरगम गीत आदि प्रस्तुति की स्टेज ट्रेनिंग ।

:संदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका –
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11.संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा
14.प्रणव भारती भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15.संगीतांजली भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.पी.ए./बी.ए. द्वितीय वर्ष नियमित/स्वाध्यायी पाठ्यक्रम

विषय कोड	क्रेडिट
C1- BMVI -203	3
क्लास रूम टिचिंग साप्ताहिक अवधि/घंटे	टोटल टिचिंग अवधि/घंटे
3	108

(खण्ड.अ) कोर सब्जेक्ट (मुख्य विषय) .1

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) थ्योरी कोर

(गायन/स्वरवाद्य प्रथम प्रश्न पत्र)

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन + उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	80	100	33

संगीत का विज्ञान (साइंस ऑफ म्यूजिक I)

इकाई–1

1. टोन, मेजर टोन, माइनर टोन, सेमीटोन, अनुनाद, डोल, उपस्वर (स्वयंभु स्वर), प्रतिध्वनि, तरंगमान तथा तरंग वेग, ग्रंथि–प्रतिग्रंथि, स्वर अंतराल प्रमुख स्वर संवादो का अध्ययन।
2. स्केल–नेचुरल स्केल, डायटोनिक स्केल तथा टेम्पर्ड स्केल।

इकाई–2

1. हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक सप्तकों का तुलनात्मक अध्ययन।
2. पूर्वांग–उत्तरांग राग। वादी, संवादी स्वर से राग गायन के समय का संबंध, संधिप्रकाश राग, अध्वदर्शक स्वर, परमेल, प्रवेशक राग की जानकारी।

इकाई–3

1. राग के ग्रह आदि दस लक्षण। आविर्भाव, तिरोभाव, नायकी, गायकी, वाग्गेयकार की परिभाषा लक्षण एवं प्रकार।
2. गमक की परिभाषा और उसके प्रकार।

इकाई–4

1. मुगल काल से अब तक का संगीत का संक्षिप्त इतिहास।
2. सदारंग/अदारंग, गोपाल नायक, बैजू बख्शू हस्सू' हद्दू खाँ, भास्कर बुआ बखले, बाबा अलाउद्दीन खाँ, उ. हाफिज अली खाँ एवं उ. इनायत खाँ तथा पं. पन्नालाल घोष का जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

इकाई–5

1. तत् (तंत्री), अवनद्ध, घन एवं सुषिर वाद्य वर्गीकरण का अध्ययन।
2. वितत् वाद्य का स्पष्टीकरण। गायन के विद्यार्थी के लिए तानपूरा का एवं वाद्य के विद्यार्थी हेतु अपने–अपने वाद्य का संक्षिप्त ऐतिहासिक अध्ययन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.पी.ए./बी.ए. द्वितीय वर्ष नियमित/स्वाध्यायी पाठ्यक्रम

विषय कोड	क्रेडिट
C1- BMVI -204	3
क्लास रूम टिचिंग साप्ताहिक अवधि/घंटे	टोटल टिचिंग अवधि/घंटे
3	108

(खण्ड.अ) कोर सब्जेक्ट (मुख्य विषय) .1 वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) थ्योरी कोर (गायन/स्वरवाद्य) द्वितीय प्रश्नपत्र

संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत

(एप्लाइड प्रिंसीपल ऑफ इण्डियन म्यूजिक II)

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन + उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	80	100	33

इकाई–1

1. निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय अध्ययन एवं पिछले पाठ्यक्रम के रागों का तुलनात्मक अध्ययन– बागेश्री, बिहाग, भीमपलासी, आसावरी, कामोद, केदार, देश, भैरवी, हमीर और पटदीप।
2. निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास।

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के पाठ्यक्रम के राग बागेश्री, बिहाग भीमपलासी, आसावरी, कामोद, केदार, देश, भैरवी, हमीर और पटदीप। किन्हीं पांच रागों में विलम्बित ख्याल। (आलाप तथा तानों सहित)
- पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक मध्यलय ख्याल। (आलाप तथा तानों सहित)

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के किन्ही पांच रागों में (आलाप, तानों/तोड़ो सहित) एक–एक विलम्बित गत अथवा मसीतखानी गत अथवा विलम्बित ख्याल।(गायकी अथवा तंत्रकारी सहित)
- पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक मध्यलय अथवा रजाखानी गत अथवा द्रुतलय की रचना। (आलाप तथा तानों/तोडों सहित)

इकाई–2

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- एक ध्रुपद, एक धमार (दुगुन, चौगुन सहित) तथा एक तराना।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के किसी एक राग में तीनताल से भिन्न अन्य ताल में रचना का तानों सहित अभ्यास।

इकाई–3

1. तान के प्रकार।
2. बोल आलाप, बोलतान, कृन्तन, जोड़, झाला, तारपरन तथा लागडाट की परिभाषा ।

इकाई–4

1. त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल, धमार, तिलवाड़ा रूपक, तीव्रा तथा सूलताल के ठेकों का ज्ञान एवं दुगुन, चौगुन में लिखने का अभ्यास।
2. ठुमरी, कजरी, चैती और कव्वाली का परिचय।

इकाई–5

1. पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर स्वरलिपि व ताललिपि पद्धति का अध्ययन।
2. संगीत संबंधी विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबंध लेखन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.पी.ए./बी.ए. द्वितीय वर्ष नियमित/स्वाध्यायी पाठ्यक्रम

विषय कोड	क्रेडिट
C2- BMVI -203	3
क्लास रूम टिचिंग साप्ताहिक अवधि/घंटे	टोटल टिचिंग अवधि/घंटे
6	216

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन + उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	80	100	33

कोर सब्जेक्ट (मुख्य विषय). 2
टेक्निकल टर्म्स–(प्रायोगिक कोर)
वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिक:- I प्रदर्शन एवं मौखिक
(डेमोन्सट्रेशन एण्ड वायवा वाईस)

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं पाठ्यक्रम के राग बागेश्री, बिहाग भीमपलासी, आसावरी, कामोद, केदार, देश, भैरवी, हमीर और पटदीप। तुलनात्मक अध्ययन की दृष्टि से पिछले पाठ्यक्रम के रागों की पुनरावृत्ति।
   - अ. पाठ्यक्रम के किन्ही पाँच रागों में एक–एक विलम्बित ख्याल (आलाप–तान सहित) का गायन अथवा विलम्बित रचना/मसीतखानी गत (गायकी अथवा तंत्रकारी सहित) का प्रदर्शन।
   - ब. पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में मध्यलय ख्याल/रजाखानी गत/मध्यलय रचना का पाँच तानों सहित प्रदर्शन।
   - स. पाठ्यक्रम के विभिन्न रागों मे एक ध्रुपद, एक धमार (दुगुन चौगुन सहित) तथा एक तराना का गायन अथवा पाठ्यक्रम के किसी एक राग में तीनताल से भिन्न अन्य ताल में रचना का तानों सहित अपने वाद्य पर प्रदर्शन।
   - द. गायन के विद्यार्थी हेतु पाठ्यक्रम के रागों में स्वरमालिका, लक्षण गीत का गायन।
2. भजन/देशभक्ति गीत या सुगम संगीत की रचना का स्वरलय में गायन अथवा वाद्य पर प्रदर्शन या किसी धुन को अपने वाद्य पर प्रस्तुत करना।
3. पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर ठाह एवं दुगुल में बोलकर प्रदर्शन– त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल, धमार, तिलवाड़ा, रूपक, तीव्रा तथा सूलताल।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.पी.ए. द्वितीय वर्ष नियमित/स्वाध्यायी **पाठ्यक्रम**

विषय कोड	क्रेडिट
C2- BMVI -204	3
क्लास रूम टिचिंग साप्ताहिक अवधि/घंटे	टोटल टिचिंग अवधि/घंटे
6	216

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन + उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	80	100	33

कोर सब्जेक्ट (मुख्य विषय). 2
टेक्निकल टर्म्स–(प्रायोगिक कोर)
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिक:-2 मंच प्रदर्शन
(वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक -II स्टेज परफॉरमेन्स)

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग रचना का (विस्तृत गायकी/तन्त्रकारी सहित) प्रदर्शन।
2. परीक्षक द्वारा दिये गये **सुगम संगीत** पर आधारित रचना अथवा धुन का प्रदर्शन।

:संदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका –
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11.संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा
14.प्रणव भारती भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15.संगीतांजली भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.पी.ए./बी.ए. तृतीय वर्ष नियमित/स्वाध्यायी पाठ्यक्रम

विषय कोड	क्रेडिट
C1- BMVI -305	3
क्लास रूम टिचिंग साप्ताहिक अवधि/घंटे	टोटल टिचिंग अवधि/घंटे
3	108

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन + उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	80	100	33

(खण्ड.अ) कोर सब्जेक्ट (मुख्य विषय).1
वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) थ्योरी कोर
(गायन/स्वरवाद्य प्रथम प्रश्न पत्र)
संगीत का विज्ञान (साइंस ऑफ म्यूजिक I)

इकाई–1

1. गांधर्व गान, निबद्ध और अनिबद्ध गान का सामान्य परिचय। अनिबद्ध के अंतर्गत रागालप्ति एवं रूपकालप्ति के भेद–प्रभेदों का अध्ययन।
2. मार्ग–देशी का प्रारंभिक परिचय।

इकाई–2

1. ग्राम–मूर्च्छना के लक्षण और भेदों का अध्ययन।
2. भरत एवं शारंगदेव की श्रुति-स्वर व्यवस्था तथा चतुःसारणा ।

इकाई–3

1. वीणा के तार पर पं. अहोबल द्वारा शुद्ध–विकृत स्वरों की स्थापना विधि एवं पं. श्री निवास द्वारा उसका स्पष्टीकरण।
2. ग्राम राग, देशीराग का वर्गीकरण, राग'रागिनी वर्गीकरण का परिचय।

इकाई–4

1. थाट–राग वर्गीकरण तथा शुद्ध, छायालग, और संकीर्ण राग वर्गीकरण का अध्ययन।
2. पं. व्यंकटमखी के 72 मेल, उत्तर भारतीय संगीत में एक सप्तक से 32 थाटों की निर्माण विधि एवं एक थाट से 484 रागों की उत्पत्ति। ग्राम–मूर्च्छना तथा मेल और थाट की तुलना।

इकाई–5

1. घराने की परिभाषा एवं स्पष्टीकरण। ख्याल के ग्वालियर, आगरा, दिल्ली, पटियाला, जयपुर और किराना घरानों का सामान्य परिचय तथा सेनिया घराने की सामान्य जानकारी।
2. उ. बडे गुलाम अली खां, पं. गजाननराव जोशी, पं. रविशंकर, उं. विलायत खाँ, पं. वी.जी. जोग, उ. बिस्मिलाह खाँ और पं. हरिप्रसाद चौरसिया का जीवन परिचय एवं संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.पी.ए./बी.ए. तृतीय वर्ष नियमित/स्वाध्यायी पाठ्यक्रम

विषय कोड	क्रेडिट
C1- BMVI -306	3
क्लास रूम टिचिंग साप्ताहिक अवधि/घंटे	टोटल टिचिंग अवधि/घंटे
3	108

(खण्ड.अ) कोर सब्जेक्ट (मुख्य विषय)

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) थ्योरी कोर .1

गायन/स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्नपत्र

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन + उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	80	100	33

संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत

(एप्लाइड प्रिंसीपल ऑफ इण्डियन म्यूजिक II)

इकाई–1

1. निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय परिचय एवं पिछले पाठ्यक्रम के रागों का तुलनात्मक अध्ययन– जैजैवन्ती, मालकौस, जौनपुरी, छायानट, बहार, तोड़ी, रामकली, तिलककामोद और पूरियाधनाश्री।
2. निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास।

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के किन्हीं छः रागों में (आलाप तथा तानों सहित) विलम्बित रचना का प्रदर्शन, लिखने का अभ्यास।
- पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक मध्यलय ख्याल का (आलाप तथा तानों सहित) गायन।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के छः रागों में एक–एक विलम्बित गत अथवा मसीतखानी गत अथवा विलम्बित ख्याल का (आलाप तानों/तोडों सहित) प्रदर्शन।
- पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक मध्यलय अथवा रजाखानी गत अथवा द्रुतलय की रचना का (आलाप तथा तानों/तोडों सहित) प्रदर्शन।

इकाई–2

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- एक ध्रुपद, एक धमार (दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित) एवं एक तराना।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- किसी एक राग में तीनताल से पृथक अन्य ताल में रचना का गायकी अथवा तंत्रकारी सहित अभ्यास।

इकाई–3

1. आड, कुआड, लयों की जानकारी।
2. त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल, धमार, तिलवाडा, रूपक, तीव्रा, सूलताल, आड़ाचौताल, दीपचंदी तथा झूमरा तालों का परिचय उन्हें तिगुन, चौगुन में लिखने का अभ्यास।

इकाई–4

1. स्वरलिपि एवं उसकी उपयोगिता। पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे स्वरलिपि **के अतिरिक्त** भारत में प्रचलित **अन्य** स्वरलिपियों का सामान्य ज्ञान।
2. स्टाफ नोटेशन (स्वरलिपि) पद्धति का सामान्य परिचय। पाठ्यक्रम के रागों के आरोह–अवरोह व पकड़ का इस पद्धति में लेखन।

इकाई–5

1. हार्मनी और मेलोडी।
2. लगभग 500 शब्दो में सगीत संबंधी किसी विषय पर निबंध लेखन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.पी.ए./बी.ए. तृतीय वर्ष नियमित/स्वाध्यायी **पाठ्यक्रम**

विषय कोड	क्रेडिट
C2- BMVI -305	3
क्लास रूम टिचिंग साप्ताहिक अवधि/घंटे	टोटल टिचिंग अवधि/घंटे
6	216

कोर सब्जेक्ट (मुख्य विषय). 2
टेक्निकल टर्म्स–(प्रायोगिक कोर)
वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन + उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	80	100	33

(गायन/स्वरवाद्य)प्रायोगिकः-1 मौखिक एवं प्रदर्शन
(डेमोन्सट्रेशन एण्ड वायवा वाईस)

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं पाठ्यक्रम के राग–जैजैवन्ती, मालकौस, जौनपुरी, पूरिया, छायानट, बहार, तोडी, बसन्त, रामकली, तिलककामोद और पूरियाधनाश्री। तुलनात्मक अध्ययन की दृष्टि से पिछले पाठ्यक्रम के रागों की पुनरावृत्ति।

   अ. पाठ्यक्रम के किन्हीं छः रागों में एक–एक विलम्बित ख्याल (आलाप–तान सहित) का गायन अथवा विलम्बित रचना/मसीतखानी गत (गायकी अथवा तंत्रकारी सहित) का प्रदर्शन।

   ब. पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में मध्यलय ख्याल/रजाखानी गत/मध्यलय रचना का पाँच तानों सहित प्रदर्शन

   स. पाठ्यक्रम के विभिन्न रागों में एक ध्रुपद, एक धमार (दुगुन, तिगुन व चौगुन सहित) तथा एक तराना का गायन। अथवा किसी एक राग में तीनताल से पृथक ताल मे रचना का गायकी अथवा तंत्रकारी सहित अभ्यास।

2. भजन/देशभक्ति गीत या सुगम संगीत की रचना का स्वरलय में गायन अथवा वाद्य पर प्रदर्शन या किसी धुन को अपने वाद्य पर प्रस्तुत करना।

3. पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर बोलकर प्रदर्शन–

   अ. त्रिताल, एकताल, दादर, कहरवा, झपताल, चौताल, धमार, तिलवाडा, रूपक, तीव्रा, सूलताल, आडाचौताल, दीपचंदी एवं झूमरा तालों की ठाह दुगुन एवं चौगुन।

   ब. त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा का तिगुन में प्रदर्शन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.पी.ए. तृतीय वर्ष नियमित/स्वाध्यायी **पाठ्यक्रम**

विषय कोड	क्रेडिट
C2- BMVI -306	3
क्लास रूम टिचिंग साप्ताहिक अवधि/घंटे	टोटल टिचिंग अवधि/घंटे
6	216

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन + उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	80	100	33

कोर सब्जेक्ट (मुख्य विषय). 2
टेक्निकल टर्म्स–(प्रायोगिक कोर)
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिक:-2 मंच प्रदर्शन
(वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक -II स्टेज परफॉरमेन्स)

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग रचना का (विस्तृत गायकी/तन्त्रकारी भजन सहित) प्रदर्शन।
2. परीक्षक द्वारा दिये ध्रुपद / धमार में से किसी एक की गायकी / तन्त्रकारी के साथ प्रस्तुति।

संदर्भ ग्रंथ :-

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका –
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11.संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा
14.प्रणव भारती भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15.संगीतांजली भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष नियमित/स्वाध्यायी **पाठ्यक्रम**

विषय कोड	क्रेडिट
C1- BMVI -407	3
क्लास रूम टिचिंग साप्ताहिक अवधि/घंटे	टोटल टिचिंग अवधि/घंटे
3	108

(खण्ड.अ) कोर सब्जेक्ट (मुख्य विषय).1

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) थ्योरी कोर

(गायन/स्वरवाद्य प्रथम प्रश्न पत्र)

संगीत का विज्ञान (साइंस ऑफ म्यूजिक I)

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन + उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	80	100	33

इकाई–1

1. कर्णाटक ताल पद्धति i
2. हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक तालों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–2

1. संगीत में स्वर एवं रस का सम्बन्ध ।
2. भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास ।

इकाई–3

1. मूर्छना एवं आधुनिक थाटों की तुलना i
2. जाति तथा जाति के दस लक्षण i

इकाई–4

1. काकू ,कुतप तथा संगीत में इनकी उपयोगिता i
2. वाद्यों की बनावट, प्रयुक्त उपकरण एवं निर्माण विधि ।

इकाई–5

1. श्रुतियों का मान (श्रुति इंटर वल्स) भिन्न पद्धति ,सेवर्ट पद्धति एवं सेंट पद्धति i
2. **पं. ओंकारनाथ ठाकुर, उ. हाफिज अली खॉ का जीवन परिचय।**

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष नियमित/स्वाध्यायी **पाठ्यक्रम**

विषय कोड	क्रेडिट
C1- BMVI -408	3
क्लास रूम टिचिंग साप्ताहिक अवधि/घंटे	टोटल टिचिंग अवधि/घंटे
3	108

(खण्ड.अ) कोर सब्जेक्ट (मुख्य विषय)

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) थ्योरी कोर .1

गायन/स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्नपत्र

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन + उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	80	100	33

संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत

(एप्लाइड प्रिंसीपल ऑफ इण्डियन म्यूजिक II)

इकाई–1

1. निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय परिचय एवं पिछले पाठ्यक्रम के रागों का तुलनात्मक अध्ययन–

शुद्धकल्याण, दरबारी कान्हडा, मियॉ मल्हार, अडाणा, विभास, कलावती, हंसध्वनि, शंकरा, सिंधूरा तथा मुलतानी, गौड सारंग i

2. निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास।

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के किन्हीं छः रागों में (आलाप तथा तानों सहित) विलम्बित रचना का प्रदर्शन।
- पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक मध्यलय ख्याल का (आलाप तथा तानों सहित) गायन।
- पाठ्यक्रम के 7 रागों में एक–एक विलम्बित गत अथवा मसीतखानी गत अथवा विलम्बित ख्याल का (आलाप तानों/तोडों सहित) प्रदर्शन।
- पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक मध्यलय अथवा रजाखानी गत अथवा द्रुतलय की रचना का (आलाप तथा तानों/तोडों सहित) प्रदर्शन।

इकाई–2

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- एक ध्रुपद, एक धमार (दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित) एवं एक तराना।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- किसी एक राग में तीनताल से पृथक अन्य ताल में रचना का गायकी अथवा तंत्रकारी सहित अभ्यास।

इकाई–3

1. **लयकारियों को समझाते हुए** बियाड़ लय **के लेखन का अभ्यास**।
2. त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल, धमार, तिलवाड़ा, रूपक, तीव्रा, सूलताल, आड़ाचौताल, दीपचंदी झूमरा, दुगुन, तिगुन, चौगुन तथा आड़ में लिखने का अभ्यास।

इकाई–4

1. **रूद्र, पंचमसवारी, गजझम्पा** तथा **लक्षमी** तालों का परिचय उन्हें **दुगुन**, तिगुन, **तथा** चौगुन में लिखने का अभ्यास।
2. **कर्नाटकी संगीत के सप्त तालों का सामान्य ज्ञान** i

इकाई–5

1. रविन्द्र संगीत तथा नजरुल गीति की सामान्य जानकारी स्वर लिपि पद्धति के साथ i
2. लगभग 500 शब्दो में सगीत संबंधी किसी विषय पर निबंध लेखन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष नियमित/स्वाध्यायी **पाठ्यक्रम**

विषय कोड	क्रेडिट
C2- BMVI -407	3
क्लास रूम टिचिंग साप्ताहिक अवधि/घंटे	टोटल टिचिंग अवधि/घंटे
6	216

कोर सब्जेक्ट (मुख्य विषय). 2

टेक्निकल टर्म्स–(प्रायोगिक कोर)

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक

(गायन/स्वरवाद्य)प्रायोगिकः-1 मौखिक एवं प्रदर्शन

(डेमोन्सट्रेशन एण्ड वायवा वाईस)

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन + उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	80	100	33

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं पाठ्यक्रम के राग–शुद्धकल्याण, दरबारी कान्हडा, मियॉ मल्हार, अडाणा, विभास, कलावती, हंसध्वनि, शंकरा, सिंधूरा तथा मुलतानी, गौड सारंग। तुलनात्मक अध्ययन की दृष्टि से पिछले पाठ्यक्रम के रागों की पुनरावृत्ति।

   अ. पाठ्यक्रम के किन्हीं छः रागों में एक–एक विलम्बित ख्याल (आलाप–तान सहित) का गायन अथवा विलम्बित रचना/मसीतखानी गत (गायकी अथवा तंत्रकारी सहित) का प्रदर्शन।

   ब. पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में मध्यलय ख्याल/रजाखानी गत/मध्यलय रचना का पाँच तानों सहित प्रदर्शन

   स. पाठ्यक्रम के विभिन्न रागों में एक ध्रुपद, एक धमार (दुगुन, तिगुन व चौगुन सहित) तथा एक तराना का गायन। अथवा किसी एक राग में तीनताल से पृथक ताल मे रचना का गायकी अथवा तंत्रकारी सहित अभ्यास।

2. भजन/देशभक्ति गीत या सुगम संगीत की रचना का स्वरलय में गायन अथवा वाद्य पर प्रदर्शन या किसी धुन को अपने वाद्य पर प्रस्तुत करना।

3. पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर बोलकर प्रदर्शन–

   अ. त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल, धमार, तिलवाडा, रूपक, तीव्रा, सूलताल, आड़ाचौताल, दीपचंदी झूमरा, तालों की ठाह दुगुन एवं चौगुन।

   ब. त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा का तिगुन एवं आड़ में प्रदर्शन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष नियमित/स्वाध्यायी **पाठ्यक्रम**

विषय कोड	क्रेडिट
C2- BMVI -408	3
क्लास रूम टिचिंग साप्ताहिक अवधि/घंटे	टोटल टिचिंग अवधि/घंटे
6	216

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन + उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	80	100	33

कोर सब्जेक्ट (मुख्य विषय). 2
टेक्निकल टर्म्स–(प्रायोगिक कोर)
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिक:-2 मंच प्रदर्शन
(वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक -II स्टेज परफॉरमेन्स)

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग रचना का (विस्तृत गायकी/तन्त्रकारी ध्रुपद / धमार भजन सहित) प्रदर्शन।
2. परीक्षक द्वारा दिये गये पांच रागों में से किसी एक राग की गायकी/तन्त्रकारी के साथ प्रस्तुति।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किसी एक राग में ठुमरी, टप्पा अथवा ठुमरी शैली पर आधारित रचना अथवा धुन का प्रदर्शन।

संदर्भ ग्रंथ :-

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका –
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11.संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा
14.प्रणव भारती भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15.संगीतांजली भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष नियमित/स्वाध्यायी **पाठ्यक्रम**

विषय कोड	क्रेडिट
C2- BMVI-409	3
क्लास रूम टिचिंग साप्ताहिक अवधि/घंटे	टोटल टिचिंग अवधि/घंटे
6	216

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन + उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	80	100	33

कोर सब्जेक्ट (मुख्य विषय). 2
टेक्निकल टर्म्स–(प्रायोगिक कोर)
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिक:-3
(वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक -III लेक्चर डेमोन्सट्रेशन)
(प्रदर्शनात्मक व्याख्ययान / परियोजना कार्य)

यह **प्रायोगिक** लेक्चर डेमोन्सट्रेशन (लेक्डेम) के रूप में होगा जिसमे विद्यार्थी अपनी कला से सम्बन्धित किसी भी शीर्षक (जैसे- शास्त्रीय संगीत, उप शास्त्रीय संगीत, टप्पा, रविन्द्र संगीत, लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक वाद्य, चित्रपट संगीत, लेसन प्लान आदि) पर लेक्चर के साथ अपनी कला का प्रदर्शन करेगा (पी.पी.टी. के साथ भी प्रदर्शन कर सकता है) जिससे विद्यार्थियों का कौशल विकास (स्किल डेवलपमेंट) और भविष्य में शोध आदि कार्य करने में यह प्रश्न पत्र वैज्ञानिक एवं सहायक सिद्ध होगा i लेक्चर डेमोन्सट्रेशन तैयार करने के लिए भिन्न-भिन्न किताबों का अध्ययन करके बुक रिफरेन्स के साथ नोट्स बनाना होगा जिसकी एक प्रति अपने कक्ष अध्यापक के पास जमा करना अनिवार्य है i

Syllabus Designed By Dr. Sanjay Kumar Singh

H.O.D.